

मेरे घर में थाली बजगी री तेरी दया तं अम्बे



मेरे घर में थाली बजगी री,
तेरी दया तं अम्बे।

मेरी सासड़ घुटी प्यावः,
मेरी सासड़ घुटी प्यावः,
मेरी नणदी कवर झुलावः,
महारः नीम्ब की डाली टंग री,
तेरी दया तं अम्बे,
मेरे घर में थाली बजगी री,
तेरी दया तं अम्बे।

सब गावं जच्चा जकड़ी,
सब गावं जच्चा जकड़ी,
कोए लयावः झुला तगड़ी,
मेरी सोई किस्मत जग गी री,
तेरी दया तं अम्बे,
मेरे घर में थाली बजगी री,
तेरी दया तं अम्बे।

जच्चा की जीब चटोरी,
जच्चा की जीब चटोरी,
मन भावः जलेबी पुरी,
मेरे मन की चिंता भग गी री,
तेरी दया तं अम्बे,
मेरे घर में थाली बजगी री,
तेरी दया तं अम्बे।

मै ओढ़ पीलीया जाऊँ,
मै ओढ़ पीलीया जाऊँ,
मंदिरां में जोत जगाऊँ,
मै तेरी भक्ति मे लग गी री,
तेरी दया तं अम्बे,
मेरे घर में थाली बजगी री,
तेरी दया तं अम्बे।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



अशोक भक्त अज्ञानी,
अशोक भक्त अज्ञानी,
अम्बे की हुई दीवानी,
तुं हृदय के महां सजगी री,
तेरी दया तं अम्बे,
मेरें घर में थाली बजगी री,
तेरी दया तं अम्बे।

मेरे घर में थाली बजगी री,
तेरी दया तं अम्बे।

गायक – नरेंद्र जी कौशिक ।
प्रेषक – राकेश कुमार जी
खरक जाटान 9992976579